



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

18 ज्येष्ठ 1940 (श0)

(सं0 पटना 548) पटना, शुक्रवार, 8 जून 2018

गृह विभाग

प्रपत्र सं0-1

(बिहार विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 की धारा 5 एवं बिहार विशेष न्यायालय नियमावली, 2010 के नियम 7 के अधीन)

घोषणा

15 फरवरी 2018

सं० बी०/आ०अ०ई०-02/2018-1309—चूंकि यह अभिकथित किया गया है कि श्री सत्येन्द्र कुमार, पिता-स्व० रामनरेश प्रसाद, ग्राम-यमुनापुर, थाना-बिहटा, जिला-पटना, बिहार, वर्तमान पता-ग्राम-खेदलपुरा, थाना-बिहटा, जिला-पटना ने बिहार राज्य में श्रम संसाधन विभाग के अन्तर्गत राजकीय आई०टी०आई०, आरा में अनुदेशक का पद धारण करते हुए अन्य के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13 की उप धारा (1) के खंड (ई) के अधीन अपराध किया और मामले की जांच आर्थिक अपराध थाना कांड सं०-11/2014, दिनांक 25.02.2014 धारा 13 (2) सह पठित धारा 13(1)(ई) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 में की गई है;

और चूंकि अभिलेख में उपलब्ध सुसंगत सामग्री की छानबीन करने पर राज्य सरकार की राय है कि श्री सत्येन्द्र कुमार, पिता-स्व० रामनरेश प्रसाद, ग्राम-यमुनापुर, थाना-बिहटा, जिला-पटना, बिहार, अनुदेशक, राजकीय आई०टी०आई०, आरा, श्रम संसाधन विभाग, बिहार सरकार (सम्प्रति सेवा से बर्खास्त) जिसने भ्रष्ट साधनों का सहारा लेकर अन्य के साथ अपने आय के ज्ञात स्रोत से अननुपातिक संपत्ति संवित किया है, पर प्रथम दृष्टया केस बनता है;

और चूंकि सरकार को यह आवश्यक और समीचीन प्रतीत होता है कि उक्त अपराधियों पर विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 (बिहार अधिनियम 5, 2010) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित विशेष न्यायालय द्वारा विचारण किया जाए;

इसलिए, अब विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार एतद् द्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अपराध का निपटारा विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 के अधीन किया जाएगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
आमिर सुबहानी,  
सरकार के प्रधान सचिव।

15 फरवरी 2018

सं० बी०/आ०अ०ई०-०२/२०१८-१३०९ का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार-राज्यपाल के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद-३४८ के खण्ड (३) के अधीन अंग्रेजी भाषा में इसका प्राधिकृत पाठ समझा जाएगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
आमिर सुबहानी,  
सरकार के प्रधान सचिव।

The 15<sup>th</sup> February 2018

FORM No. 1

(Under Section 5 of the Bihar Special Courts Act, 2009, and Rules 7 of Bihar Special Courts Rules, 2010)

## DECLARATION

सं० बी०/आ०अ०ई०-०२/२०१८-१३०९— WHEREAS, It was alleged that Sri SATYENDRA KUMAR, S/O-Late Ramnaresh Prasad, Vill-Yamunapur, P.S.-Bihta, Dist-Patna, A/P-Vill-Khedalpura, P.S.-Bihta, Distt-Patna while holding the post of the Instructor, Government I.T.I., Arah, Labour Resources Department, Govt. of Bihar and serving in different capacities under Government of Bihar committed an offence alongwith another accused under clause (e) of sub-section (1) of Section 13 of the Prevention of Corruption Act, 1988 and that the matter is being investigated in Economic Offences P.S. Case No. 11/2014, dated 25.02.2014,

AND WHEREAS, on scrutiny of relevant materials available on record, the State Government is of the opinion that there is *prima facie* case of commission of above mentioned offence by the said Sri SATYENDRA KUMAR, S/O-Late Ramnaresh Prasad, Vill-Yamunapur, P.S.-Bihta, Dist-Patna, Instructor, Government I.T.I., Arah, Labour Resources Department, Govt. of Bihar (since dismissed from service) and another accused who have accumulated properties disproportionate to his known sources of income by resorting to corrupt means;

AND WHEREAS, it is felt necessary and expedient by the Government that the said offenders should be tried by the Special Court Established under sub-section (1) of Section 3 of Bihar Special Courts Act, 2009;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of Bihar Special Courts Act, 2009, the State Government do hereby declare that the said offence shall be dealt with under the Special Courts Act, 2009.

By order of the Governor of Bihar,  
AMIR SUBHANI,  
Principal Secretary to the Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 548-571+100-डी०टी०पी०।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>